विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – षष्ठ **दिनांक -०५ -०५ - २०२१**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज लिंग के प्रकार के बारे में अध्ययन करेंगे

लिंग के प्रकार

संसार में तीन जातियाँ होती हैं इन्ही जातियों के आधार पर लिंग के भेद बनाए गये हैं।

1. पुल्लिंग

पुल्लिंग की परिभाषा : जिन संज्ञा के शब्दों से पुरुष जाति का पता चलता है कि ये पुरुष जाति का हैं उसे पुल्लिंग कहते हैं।

जैसे : शिव, विश्णु, ब्रम्हा, राम, कृष्ण, हनुमान, पिता, भाई, लड़का, आदमी, सेठ, राजा, घोडा, कुत्ता, बन्दर, हंस, बकरा, मकान, लोहा, चश्मा, दुःख, लगाव, खटमल, फूल, नाटक, पर्वत, पेड़, मुर्गा, बैल, शेर आदि।

पुरुष पुल्लिंग में कौन से शब्द अपवाद हैं?

पक्षी, फरवरी, एवरेस्ट, मोतिया, दिल्ली, स्त्रीत्व आदि।

पुरुष पुल्लिंग की पहचान क्या हैं?

हिंदी वर्णमाला के कुछ अक्षरों के नाम पुल्लिंग होते हैं।

जैसे : अ, उ, ए, ओ, क, ख, ग, घ, च, छ, य, र, ल, व्, श आदि।

जिन शब्दों के पीछे अ, त्व, आ, आव, पा, पन, न आदि प्रत्यय आये वे पुल्लिंग होते हैं।

जैसे : मन, तन, वन, शेर, राम, कृष्ण, सतीत्व, देवत्व, मोटापा, चढ़ाव, बुढ़ापा, लडकपन, बचपन, लेन-देन आदि।

दिनों के नाम पुल्लिंग होते हैं।

जैसे : सोमवार, मंगलवार, बुद्धवार, गुरूवार, शुक्रवार, शनिवार, रविवार आदि।
देशों के कुछ नाम पुल्लिंग होते हैं।

जैसे : मध्य प्रदेश, भारत, चीन, ईरान, यूरान, रूस, जापान, अमेरिका, पाकिस्तान, उत्तर प्रदेश, हिमाचल, आदि।
धातु के कुछ नाम पुल्लिंग होते हैं।

जैसे : सोना, ताम्बा, पीतल, लोहा, चाँदी, पारा आदि।
नक्षत्रों के नाम पुल्लिंग होते हैं।

जैसे : सूर्य, चन्द्र, राहू, आकाश, शनि, बुद्ध, बृहस्पति+, मंगल, शुक्र आदि।